भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2245

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की स्थापना

2245. श्री अशोक कुमार रावत:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में विशेषकर आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अनुमानित लागत, संस्थागत ढांचे और प्रशासनिक ढ़ांचे सहित योग और प्राकृतिक चिकित्सा हेतु एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान स्थापित करने के प्रस्ताव का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त राज्यों की सरकारों से उक्त संस्थानों की स्थापना हेतु भूमि आवंटित करने का अनुरोध किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) ज़मीन के बंटवारे और उससे जुड़ी प्रशासनिक मंजूरी की अभी क्या स्थिति है और पहले चरण में स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों की प्रस्तावित संख्या क्या है; और

(घ) देश में उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार, अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं तक जनता की पहुंच में सुधार के संबंध में इस पहल के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या अपेक्षित परिणाम हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क), (ख) और (ग): आयुष मंत्रालय ने निम्नलिखित राज्यों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के 100 बिस्तरों वाले अस्पतालों के साथ केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सीआरआईवाईएन) स्थापित करने की योजना बनाई है:

क्र.सं.	**राज्य**	**अनुमानित लागत (लाख में)**	**भूमि आवंटन का विवरण/स्थिति**
1.	आंध्र प्रदेश	9381.76	आंध्र प्रदेश सरकार ने नदीमपालेम गांव, प्रतिपाडु मंडल, कटुरी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के निकट, जिला गुंटूर, आंध्र प्रदेश में निःशुल्क 15 एकड़ भूमि आवंटित की।
2	असम	9191.221	असम सरकार ने ग्राम देहिन, खामतीघाट, डिब्रूगढ़, असम में निःशुल्क 45 बीघा भूमि आवंटित की।
3.	छत्तीसगढ	9003.33	छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्राम दंगनिया और चिरुहुलडीह तहसील, रायपुर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में निःशुल्क 9.97 एकड़ भूमि आवंटित की।
4.	केरल	9967.77	केरल सरकार ने करिंथलम गांव, वेल्लारिकुंडु तालुक, जिला कासरगोड, केरल में निःशुल्क 15 एकड़ भूमि आवंटित की।
5.	ओडिशा	9473.28	ओडिशा सरकार ने किसाम पटियाला, तहसील जाटानी, मौजा

			बिन्झगिरी, ओडिशा में निःशुल्क 20 एकड़ भूमि आवंटित की थी। हालांकि, एनजीटी मामले और भूमि के एफसीए की वजह से, गैर-मंजूरी के कारण आगे की प्रक्रिया रोक दी गई है। ओडिशा राज्य सरकार द्वारा सीआरआईवाईएन की स्थापना के लिए वैकल्पिक भूमि की व्यवस्था की जा रही है।

राजस्थान सरकार ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के 100 बिस्तरों वाले अस्पताल सहित सीआरआईवाईएन की स्थापना के लिए 15 एकड़ प्रीमियम मुक्त भूमि का प्रस्ताव दिया था, हालांकि, राजस्थान सरकार ने भूमि का हस्तांतरण नहीं किया है। अब तक, उत्तर प्रदेश में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लिए एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान की स्थापना का कोई प्रस्ताव आयुष मंत्रालय के पास नहीं है।

प्रस्तावित सीआरआईवाईएन, आयुष मंत्रालय के तहत, एक स्वायत्त निकाय- केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करेगा।

वर्तमान में, प्रस्तावित सीआरआईवाईएन में स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए कोई प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन नहीं है।

(घ): इस पहल से निम्नलिखित परिणामों की परिकल्पना की गई है:

- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को आगे बढ़ाना।
- आम जनता के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित ओपीडी और आईपीडी उपचार सुविधाओं में सुधार।

*****